DATE 19.10.23
PAGE No. 1

कुंजी

Tender Heart High School, Sec. 33-B, CHD.

कक्षा - सातवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (निबंध 'दीपावली')
→ दीपों का त्योहार - दीवाली :-

संकेत बिंदु - 1. दीपावली का अर्थ, कब मनाया जाता है 2. इससे जुड़ी कथाएँ, 3. मनाने का तरीका 4. कुछ कुरीतियाँ।

दीपों का त्योहार दीपावली,
जगमग दीप जलाओ।
अपने सारे अँधियारे को,
झट से दूर भगाओ।

त्योहार हमारे जीवन का महत्वपूर्ण अंग हैं। त्योहार जीवन में उत्साह और सुख का संचार करते हैं, हमारी सभ्यता और संस्कृति को ताजा करते हैं तथा जीवन से रूखापन और नीरसता को दूर करते हैं। जीवन में सभी त्योहारों का अपना-अपना महत्व है लेकिन दीवाली उन सब में विशेष महत्व रखती है।
दीपावली का अर्थ है - दीपों की पांक्ति। यह पर्व कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाता है। इस दिन भगवान श्रीराम लंका पर विजय प्राप्त कर चौदह वर्षों के वनवास के बाद अयोध्या लौटे थे, अतः सभी अयोध्यावासियों ने दीपों से सारा नगर सजाकर खुशियाँ मनाई थीं।

दीवाली का अन्य महापुरुषों से भी संबंध है। आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद, जैनियों के चौबीसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी और स्वामी रामतीर्थ ने इसी दिन निर्वाण प्राप्त किया था। वेदों की गौरवमय गाथा गाने वाले स्वामी रामतीर्थ ने इस दिन अपना शरीर

(पृष्ठ-1)

Scanned with CamScanner

कुंजी

कक्षा - सातवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (निबंध दीपावली)

का त्याग किया था। इसी दिन सिक्खों के छठे गुरु हरगोविंद सिंह जी 52 राजाओं को कैद से छुड़ाकर ग्वालियर से अमृतसर पहुँचे थे। दीवाली ऋतु परिवर्तन का त्योहार है। दीवाली आने से पहले लोग अपने घर की सफ़ाई, रंगाई-पुताई आदि आरंभ कर देते हैं। वे अपने घरों-दुकानों को सजाते हैं। इसे लक्ष्मी पर्व भी कहते हैं। इस दिन बाज़ार सजाए जाते हैं। लोग दीये, मोमबत्तियाँ, पटाखे, खील-बताशे, मिठाइयाँ आदि खरीदते नज़र आते हैं। इस दिन लोग अपने दुख, चिंता, लड़ाई-झगड़े आदि भूलकर एक-दूसरे से प्रेम से मिलते हैं। इससे आपसी सद्भाव, एकता और अखंडता का विकास होता है। दीपावली पर लोग पटाखों तथा आतिशबाजी का अधिक प्रयोग करते हैं। इससे धन हानि तथा दुर्घटनाएँ होती हैं। इससे ध्वनि प्रदूषण तथा वायु प्रदूषण भी बहुत होता है। कुछ अज्ञानी लोग इस पवित्र अवसर पर जुआ खेलकर, शराब पीकर इसे अपवित्र बनाते हैं। हमें इन कुप्रथाओं को त्यागना होगा।

यह पर्व हमें अंधकार से प्रकाश की ओर, अज्ञान से ज्ञान की ओर, असत्य से सत्य की ओर जाने का संदेश देता है।

जलते दीपों के प्रकाश में,
अपना जीवन तिमिर हटाएँ।
उसकी ज्योतिर्मय किरणों से,
अपने मन की ज्योति जगाएँ।

————————

(अंतिम पृष्ठ-2)

DAT 19.10.23
PAGE No. 1

कुंजी

Tender Heart High School, Sec. 33-B, CHANDIGARH

कक्षा- सातवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी व्याकरण (अपठित गद्यांश) 'निबंध'

प्रश्न-1 महाराज शिवि कौन थे? कबूतर महाराज शिवि की शरण में क्यों आया?

उत्तर- महाराज शिवि उशीनर के पुत्र थे। वे ईश्वर-भक्त, दयालु तथा शरण में आए हुए की रक्षा करने वाले थे। एक बार राजा शिवि एक महान यज्ञ कर रहे थे। इतने में भय से व्याकुल एक कबूतर राजा के पास आया और उनकी गोद में छिप गया क्योंकि एक विशाल बाज उसका पीछा कर रहा था और उसे अपना भोजन बनाना चाहता था।

प्रश्न-2 कबूतर को शरण देना बाज ने अधर्म का कार्य क्यों बताया?

उत्तर- राजा शिवि धरती के सभी धर्मात्मा राजाओं में सर्वश्रेष्ठ थे। वे धर्म के विरुद्ध कोई कार्य नहीं करते थे। बाज भूख से बेचैन था और वह कबूतर उसे भोजन के रूप में मिला था। किसी का भोजन छीनना अधर्म का कार्य था, इसीलिए कबूतर को शरण देना बाज ने अधर्म का कार्य बताया।

प्रश्न-3 महाराज शिवि ने बाज को कबूतर देने से मना क्यों किया?

उत्तर- महाराज शिवि ने बाज से कहा कि मैं यह भयभीत कबूतर तुम्हें नहीं दे सकता, क्योंकि तुमसे डरकर वह अपने प्राणों की रक्षा के लिए मेरे पास आया है और जो मनुष्य शरण में आए हुए की रक्षा नहीं करते या लालच, द्वेष अथवा भय के कारण उसे त्याग देते हैं, उनकी सज्जन निंदा करते हैं। भय में पड़े हुए जीवों की रक्षा करने से बढ़कर दूसरा कोई धर्म नहीं है।

Scanned with CamScanner

DATE 19.10.23
PAGE No. 2

कुंजी

कक्षा- सातवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी व्याकरण (अपठित गद्यांश) 'निबंध'

हे बाज, यदि तुम आहार चाहते हो, तो मैं तुम्हारे दुख को भी दूर करना चाहता हूँ, इसलिए तुम मुझसे कबूतर के बदले चाहे जितना और आहार माँग लो।

प्रश्न-4 महाराज शिवि के तराजू के पलड़े पर चढ़ते ही कौन-सी विचित्र घटना घटित हुई?

उत्तर- राजा शिवि के तराजू पर चढ़ते ही आकाश से फूलों की वर्षा होने लगी। इतने भेंड़बाज और कबूतर गायब हो गए और उनके बदले में दो देवता प्रकट हो गए जो इंद्र तथा अग्निदेव थे।

प्रश्न-5 बाज और कबूतर के रूप में कौन-से देवता थे? महाराज शिवि को किसने और क्यों संसार में सर्वश्रेष्ठ बताया?

उत्तर- बाज और कबूतर के रूप में इन्द्र और अग्नि देवता प्रकट हुए। बाज इन्द्र थे तथा अग्नि कबूतर थे। इंद्र देवता ने कहा कि वे लोग उनकी परीक्षा लेने आए थे। उन जैसा महान कार्य आज तक किसी ने नहीं किया। यह सारा संसार मोहमाया के बंधन में बँधा है, परंतु वे जगत के दुखों से छूटने के लिए करुणा से बँध गए हैं। उन्होंने बड़ों से ईर्ष्या नहीं की, छोटों का कभी अपमान नहीं किया और बराबर वालों के साथ कभी स्पर्द्धा नहीं की, इसीलिए वे संसार में सर्वश्रेष्ठ हैं।

(अंतिम पृष्ठ-2)

Scanned with CamScanner